वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 8 | रविवार 7 मई 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राज्यपाल ने प्रताप स्मारक स्थल पर युद्धक टैंक टी-55 का किया अनावरण

मातृभूमि के लिए सर्वस्व न्यौछावर करने की प्रेरणा महाराणा प्रताप से मिलती है: राज्यपाल

उदयपुर/जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल कलराज मिश्र ने शनिवार को उदयपुर में भारतीय सेना द्वारा प्रताप स्मारक स्थल पर उपहार में प्रदत्त युद्धक टैंक टी 55 का भव्य अनावरण किया। इससे पहले राज्यपाल ने महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। राज्यपाल मिश्र ने अपने उद्बोधन में महाराणा प्रताप के बलिदान को याद किया और कहा कि वह प्रताप को पहला स्वतंत्रता सेनानी मानते हैं। महाराणा प्रताप ने कभी समझौता नहीं किया, विपरीत परिस्थितियों में घास की रोटी खाकर, स्वाभिमान की रक्षा करते हुए जीवन यापन किया। इतना ही नहीं, प्रताप ने अकबर की बड़ी सेना का अपने पराक्रम से मुकाबला किया। राज्यपाल ने कहा कि महाराणा प्रताप द्वारा मातृभूमि की आजादी के लिए किया गया संघर्ष मामूली नहीं था, वह अपनी छोटी सी परन्तु बहादुर सेना के साथ युद्ध लड़ते रहे, छापामार युद्ध पद्धति, शत्रुओं को हतोत्साहित करने की शक्ति आदि ने उन्हें हमेशा अग्रणी रखा। उन्होंने कहा कि मातृभूमि के लिए सर्वस्व न्यौछावर करने की प्रेरणा महाराणा प्रताप से ही मिलती है। उन्होंने अपने भाषण में प्रताप स्मारक की स्थापना के महत्व एवं यहां टी 55 टैंक को लाने पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने कार्यक्रम में भगत सिंह, सुखदेव एवं राजगुरु के परिजनों का सम्मान भी किया। लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने मंच से कहा कि महाराणा प्रताप स्मारक समिति शहीदों के परिजनों को सम्मानित करते हुए अपने आपको गौरवान्वित महसूस करती है। उन्होंने कहा कि मेवाड़ की भूमि हमेशा संघर्षशील रही और कभी आक्रान्ताओं के सामने समझौता नहीं किया। सेवानिवृत लेफ़्टिनेंट जनरल जे एस नैन ने युद्धक टैंक टी-55 की महत्ता और युद्धों में इसके योगदान पर विस्तार से

प्रकाश डाला। उदयपुर के एक दिवसीय दौरे के अंतर्गत शनिवार प्रातः यहां डबोक एयरपोर्ट पहुंचने पर सम्भागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट, जिला कलक्टर तारा चंद मीणा और जिला पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा ने बुके भेंट कर स्वागत किया। यहाँ से राज्यपाल सर्किट हाउस होते हुए मोती मगरी स्थित प्रताप स्मारक पहुंचे जहां सर्वप्रथम उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

हैप्पी हार्मोन क्या हैं? इन्हें बढ़ाने के आसान उपाय क्या हैं?

हैप्पी हार्मोन, जिसे फील-गुड हार्मोन के रूप में भी जाना जाता है, मस्तिष्क में न्यूरोट्रांसमीटर होते हैं जो मूड, खुशी और कल्याण को विनियमित करने के लिए जिम्मेदार होते हैं। इन हामोनों में डोपामाइन, सेरोटोनिन, ऑक्सीटोसिन और एंडोर्फिन शामिल हैं।

व्यायाम: व्यायाम, योग क्रिया,प्राणायाम एंडोर्फिन की रिहाई को ट्रिगर करता है, जो प्राकृतिक दर्द निवारक हैं जो उत्साह और कल्याण की भावना को भी बढ़ावा देते हैं।

पर्याप्त नींद लें: सेरोटोनिन और डोपामाइन सहित न्यूरोट्रांसमीटर को रिचार्ज और फिर से भरने के लिए शरीर के लिए नींद आवश्यक है।

प्रकृति में समय बिताएं: प्रकृति के संपर्क में सेरोटोनिन के स्तर को बढ़ाने के लिए दिखाया गया है, जो मूड में सुधार कर सकता है और तनाव को कम कर सकता है।आयुर्वेद के सिद्धांत अपनाएं।

कृतज्ञता का अभ्यास करें: आभार जताना डोपामाइन और सेरोटोनिन के उत्पादन को उत्तेजित करता है, दो न्यूरोट्रांसमीटर जो मूड और खुशी को नियंत्रित करने में भूमिका निभाते हैं।

सामूहीकरण: दोस्तों और प्रियजनों के साथ सामाजिककरण और समय बिताना ऑक्सीटोसिन के स्तर को बढ़ा सकता है, एक हार्मोन जो प्यार, विश्वास और संबंध की भावनाओं को बढ़ावा देता है।

स्वस्थ आहार लें: ओमेगा -3 फैटी एसिड, विटामिन बी 6 और मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्वों से भरपूर आहार सेरोटोनिन और डोपामाइन के उत्पादन में मदद कर सकता है। स्वास्थ्य वर्धक शाकाहार लें।

अरोमाथेरेपी का प्रयास करें: लैवेंडर जैसी कुछ सुगंधों को सेरोटोनिन के स्तर में वृद्धि करने के लिए दिखाया गया है, जो मूड में सुधार कर सकता है और विश्राम को बढ़ावा दे सकता है।

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर।

हंसी: हंसी एंडोर्फिन की रिहाई को ट्रिगर करती है, जो तनाव को कम करने और कल्याण की भावना को बढ़ावा देने में मदद कर सकती है। हास्यासन को अपनाएं।

हार्मोन बढ़ाने के लिए जड़ी बूटी

ऐसी कई जड़ी-बूटियाँ हैं जिनका पारंपरिक रूप से शरीर में इन खुश हामोनों के स्तर को बढ़ाने में मदद करने के लिए उपयोग किया जाता है।

अश्वगंधा: यह जड़ी बूटी तनाव और चिंता को कम करने की अपनी क्षमता के लिए जानी जाती है, जो डोपामाइन और सेरोटोनिन के स्तर को बढ़ाने में मदद कर सकती है।

रोडियोला: एक अन्य जड़ी बूटी जो आमतौर पर तनाव और चिंता को कम करने के लिए उपयोग की जाती है, जिससे डोपामाइन और सेरोटोनिन के स्तर में वृद्धि हो सकती है।

सेंट जॉन पौधा: इस जड़ी बूटी का उपयोग अक्सर अवसाद के इलाज में मदद के लिए किया जाता है, और यह मस्तिष्क में सेरोटोनिन के स्तर को बढ़ाकर काम करता है।

माका: इस जड़ वाली सब्जी का उपयोग अक्सर शरीर में डोपामाइन और सेरोटोनिन सहित हार्मोन को संतुलित करने में मदद के लिए किया जाता है।

हल्दी: इस मसाले में सूजन-रोधी गुण होते हैं और मस्तिष्क में डोपामाइन के स्तर को बढ़ाने के लिए दिखाया गया है।

अठारह सौ वर्ष प्राचीन अरिहंतगिरि तीर्थ में बारह सौ प्रतिमाओं की प्रतिष्ठा संपन्न

श्रीमती सरिता एम.के.जैन ने अरिहंतगिरि को बनाया सुविधापूर्ण तीर्थ

भव्यातिभव्य सर्वार्थसिद्धि जिन मंदिर दर्शनीय बना

अरिहंतगिरि तिरुमले (तमिलनाडु)। आचार्यश्री समन्तभद्रजी महाराज की समाधिस्थली, आचार्य अंकलकदेव की विद्या आराधना स्थली अरिहंतगिरि जैन मठ तिरुमले में सर्वार्थसिद्धि जिन मंदिर पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव भव्यातिभव्य रुप में 3 मई 2023 को संपन्न हुआ । तपश्चर्या चक्रवर्ती आचार्यश्री सुविधिसागरजी, आचार्यश्री गुलाबभूषणजी, युगल मुनि अमोघकीर्ति-अमरकीर्तिजी महाराज सहित गणिनी आर्यिका सुविधिमति माताजी, समस्त भट्टारक स्वामी, विद्वानों की उपस्थिति में तीस चौबीसी के सात सौ बीस, विदेह क्षेत्र के बीस तीर्थंकर, 458 अकृत्रिम जिनबिम्ब सहित बारह सौ प्रतिमाओं की प्रतिष्ठा प्रतिष्ठाचार्य पं.प्रदीप जैन मधुर मुंबई, पं.आनंदप्रकाश शास्त्री कोलकाता, पं.बसंत शास्त्रि, पं.श्रीमंधर जैन, पं.जयपाल जैन ने संपन्न कराई ।

दक्षिण भारत के भामाशाह दान चिंतामणि श्रीमती सरिता-एम.के.जैन ने बनवाया भव्य जिनालय

अरिहंतगिरि दिगम्बर जैन मठ के भट्टारक चिंतामणि स्वस्तिश्री धवलकीर्ति स्वामीजी के निर्देशन में हुए समस्त कार्यों में श्राविका शिरोमणि श्रीमती सरिता-एम.के.जैन चैन्नई ने अरिहंतगिरि तीर्थ के विकास में अपना अभूतपूर्व योगदान दिया है । श्रवणबेलगोलातीर्थ के परम् पूज्य जगदगुरु कर्मयोगी स्वस्तिश्री चारुकीर्तिजी महास्वामी ने भव्य जिनालय की प्रेरणा देते हुए जिनालय का नाम सर्वार्थसिद्धि जिन मंदिर रखा है । उक्त तीर्थ 1800 वर्ष प्राचीन है लेकिन यहां पर किसी तरह की कोई सुविधाएं नहीं थी । श्रीमती सरिता-एम.के.जैन परिवार की ओर से तीर्थ के विकास में चार चांद लगाकर जंगल में मंगल कर दिया । तीर्थ पर विशाल जिनमंदिर के साथ ठहरने, भोजन आदि की समुचित व्यवस्थाएं है । यहां श्रीमती सरिता-एम.के.जैन विद्यालय भी संचालित है जहां पर बच्चे लौकिक, धार्मिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा प्राप्त कर रहे है ।

भट्टारक चिंतामणि धवलकीर्तिजी का रजत जयंती वर्ष उत्साह से मनाया

विगत 25 वर्ष पूर्व अरिहंतगिरि तीर्थ पर किराये की झोपड़ी में आकर तीर्थ का स्वप्न देखने वाले भट्टारक चिंतामणि स्वस्तिश्री धवलकीर्ति स्वामीजी ने यहां तीर्थ को समुन्नत बनाया । श्रवणबेलगोला के परम पूज्य जगदगुरु कर्मयोगी स्वस्तिश्री चारुकीर्तिजी भट्टारक स्वामीजी ने 25 वर्ष पूर्व स्वस्तिश्री धवलकीर्तिजी को दीक्षा देकर भेजा था । तब यहां पर किसी भी प्रकार की सुविधा नहीं थी । स्वस्तिश्री धवलकीर्तिजी अपनी सुझबूझ से व श्रीमती सरिता-एम.के.जैन चैन्नई का सहयोग लेकर अभूतपूर्व कार्य किये है । आज तीर्थ पर सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध है ।

आचार्य श्री वर्धमान सागर महाराज ने कहा...

हृदय के शोक दुःख को रत्नत्रय धर्म, संयम तप से दूर करें

उदयपुर. शाबाश इंडिया। संसार का प्राणी लौकिक लक्ष्मी प्राप्त करने के लिए दुखी है। जबकि केवल ज्ञान रूपी लक्ष्मी उसके हृदय में है, अशोक का शाब्दिक अर्थ देखें शोक रहित को अशोक कहते हैं। अशोकनगर एक सड़क के माध्यम से जाते हैं जो वास्तविक अशोक से परिपूर्ण होता है वह जीव धर्म मार्ग से चलकर रत्न त्रय धर्मों को धारण करते हैं वह मोक्ष रूपी नेशनल हाईवे से सिद्धालय पर जाते हैं। यह मंगल देशना श्री शांतिनाथ दिगंबर कांच मंदिर अशोक नगर में मंगल पदार्पण पर आयोजित धर्म सभा में आचार्य शिरोमणि वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर महाराज ने प्रकट किए। ब्रह्मचारी गजू भैय्या, राजेश पंचोलिया इंदौर अनुसार आचार्य श्री ने प्रवचन में बताया कि संसारी दुख में है, अनेक इच्छाओं आकुलता के कारण आप शोक में डूबे रहते हैं यह ठीक नहीं है इससे कर्म बंघ होता है और संसार परिभ्रमण में वृद्धि होती है। शोक आपके हृदय में है उसे रत्नत्रय धर्म से दूर करें संसार दुख में है इस कारण व्यक्ति शोकाकुल है रत्नत्रय धर्म से सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान, सम्यक चारित्र तप, संयम का पालन कर पुण्यात्मा जीव अरिहंत सिद्ध हुए। शरीर और आत्मा का भेद समझना जरूरी है।आत्मा में शक्ति और सामर्थ्य से शोक रहित होकर रत्नत्रय के मार्ग पर चल सिद्धालय को प्राप्त कर सकते हैं। आचार्य श्री शांतिसागर सभागार में प्रवचन देते हुए आचार्य श्री ने आगे बताया कि आचार्य शांतिसागर जी ने भी यही कहा डरो मत, संयम धारण करो। इसके पूर्व 6 मई को वात्सल्य वारिधि आचार्य शिरोमणि श्री वर्धमान सागर जी का 32 साधुओं सहित सर्व ऋतु विलास से अशोक नगर उदयपुर के लिए विहार हुआ। श्री शांतिनाथ कांच मंदिर मंगल आगमन हुआ।1008 श्री शांतिनाथ भगवान की शांति धारा को सौभाग्य श्री डाया भाई हिम्मत नगर गुजरात को प्राप्त हुआ।आपकी पुत्री बाल ब्रह्मचारिणी डा उर्वशी दीदी की 1 जून को डीमापुर दीक्षा होगी। आमंत्रित परिवारो द्वारा आचार्य श्री शांति सागर जी के चित्र का अनावरण कर दीप प्रवज्जलन श्रीपाल धर्मावत, रोशनलाल, गौरव, सुंदर लाल, अशोक एवम् मंदिर पदाधिकारियों ने किया गया।आचार्य श्री का चरण प्रक्षालन शांतिलाल, अशोक गोधा एवम् महेंद्र एवम् परिवार ने शास्त्र भेट किया।मंच संचालन कुंथू गणपतोत ने किया।

संकलन: अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी

वेद ज्ञान

चिंतन करना सीखें...

दुनिया में अनेक वस्तुएं सुलभ हो जाती हैं, किंतु सत्य का साक्षात्कार दुर्लभ है। यह सहज ही नहीं मिलता। सत्य को जानना एक बात है और उसका प्रत्यक्ष साक्षात्कार बिल्कुल दूसरी बात। जहां तक जानने की बात है, आज दुनिया में जानने वालों की, ज्ञानियों की कमी नहीं है। पढ़े-लिखे लोगों की भरमार है। एक समय था कि गांव में चिट्ठी आती तो उसे पढ़ाने के लिए किसी पढ़े-लिखे की खोज करनी पड़ती थी। आज हर गांव में आपको ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट मिल जाएंगे। शायद ही कोई लड़का-लड़की निरक्षर मिले, लेकिन पढ़ा-लिखा होना एक बात है, समझदार होना बिल्कुल दूसरी बात है। आप यह नहीं कह सकते कि जो पढ़े-लिखे हैं, वे ज्ञानी और समझदार भी हैं। आज अपराध और हिंसा बहुत ज्यादा है, तो उसका एक कारण यह तेज बुद्धि वाले लोगों की संख्या में बढ़ोतरी है। शिक्षा बुद्धि और चातुर्य को पैना और धारदार बना देती है। भावनात्मक दृष्टि से आदमी की चेतना को विकसित नहीं करती, उसे प्रखर नहीं बनाती। ऊंची शिक्षा आज आदमी को भौतिकता की ओर ले जा रही है। उसके पीछे आदमी की यह सोच है कि ऊंची शिक्षा, ऊंची पोस्ट और सुरक्षित भविष्य, लेकिन हो रहा है उल्टा। यह सच्चाई को भुलाने जैसा काम है। इसमें सत्य की उपलब्धि नहीं होती। हमने सत्य को अंतर्मन से खो दिया है। हमने समाज को अपनी सुविधानुसार ढाल लिया है। हमने उड़ने के लिए हवाई जहाज बना लिया। बात करने के लिए मोबाइल-फोन बना लिया। युद्ध जीतने के लिए हथियार बना लिए। गर्मी से बचने के लिए एयरकंडीशन तो सर्दी से बचने के लिए हीटर, लेकिन एक-दूसरे के साथ को खोते चले जा रहे हैं। पहले हमने काम बांटे, फिर नाम बांटे और फिर धर्म। फिर जातियां और उपजातियां। हमने सब कुछ बांटा, लेकिन साथ ही साथ हम स्वयं भी बंटते चले गए, विभक्त होते चले गए। हमें ऊपर और नीचे की बात को गहराई से समझना है। अपराध और निरपराध के भेद को भी समझना है। सामान्यतया हम चोरी करने वाले को, लूटने वाले को, मारकाट और हिंसा करने वाले को अपराधी मानते हैं, लेकिन अपराधी वे भी हैं, जो दवाओं में और विभिन्न खाद्य पदार्थों में भी मिलावट करते हैं और समाज में इज्जतदार बने बैठे हैं, क्योंकि उनके कर्मों का दूसरों को पता नहीं है।

संपादकीय

बढ़ती नशे की लत चिंता का विषय

युवाओं में बढ़ती नशे की लत को लेकर लंबे समय से चिंता जताई जाती रही है। इसे रोकने के लिए कड़े कानून हैं, मादक पदार्थ निरोधक दस्ते सक्रिय देखे जाते हैं, इसके बावजूद न तो इनकी उपलब्धता में कमी आ पा रही है और न इनका सेवन करने वालों की संख्या में। एक ताजा अध्ययन में चिंता व्यक्त की गई है कि अगले एक दशक में दस से सत्रह साल की उम्र के किशोर बुरी तरह नशे की गिरफ्त में आ सकते हैं। मानसिक सेहत से जुड़े मुद्दों, कामकाज का दबाव, बढ़ता खालीपन और बदलती सामाजिक आर्थिक स्थितियों का इस वर्ग पर सबसे अधिक प्रभाव पड़ता है। इसके चलते वे नशे की गिरफ्त में आसानी से आ जाते हैं। अध्ययन के मुताबिक नशे की बढ़ती लत का दायरा ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बढ़ेगा। भारत चूंकि सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश है,

इसलिए यह अध्ययन अधिक चिंता पैदा करने वाला है। इस पर काबू पाने के लिए अध्ययनकर्ताओं ने कुछ उपाय सुझाए हैं, जिनमें अभिभावकों, सामाजिक संस्थाओं की जिम्मेदारी रेखांकित की गई है। मगर जिस तरह नशीले पदार्थों का कारोबार तेजी से फैल रहा है, उसमें ये संस्थाएं प्रायः अशक्त ही नजर आती हैं। यह सच्चाई है कि किशोरावस्था में बहुत सारे लोग फिल्मी नायकों, अपने वरिष्ठों, परिवार के लोगों आदि को देख कर नशीले पदार्थों के प्रति आकर्षित होते हैं। फिर ऊब, खीझ, खालीपन, पढ़ाई-लिखाई, कामकाज के दबाव में इन पदार्थों का सेवन बढ़ाते जाते हैं। फिर वे इनके लती हो जाते हैं। अब तो महानगरों से लेकर छोटे शहरों तक में अवैध मादक पदार्थों की उपलब्धता लगातार बढ़ती गई है। यह छिपी बात नहीं है और नशीले पदार्थों की इतनी किस्में बाजार में सहज उपलब्ध हैं कि बहुत सारे किशोरों, युवाओं के लिए अब ये सामान्य उपभोग की वस्तु जान पड़ते हैं। अभिभावकों, अध्यापकों, रिश्तेदारों, परिचितों से छिप-छिपा कर ही ऐसे नशे का सेवन किया जाता है, इसलिए उनके लिए निगरानी रख पाना कठिन होता है। बहुत सारे अभिभावकों को तो तब इसकी भनक मिलती है, जब उनके बच्चों में स्वास्थ्य संबंधी कोई गंभीर समस्या पैदा हो जाती है। तब तक उनकी लत पर अंकुश लगाने में काफी देर हो चुकी होती है, बहुत सारे किशोरों पर परामर्श वगैरह का भी असर नहीं हो पाता। वे आक्रामक हो जाते और हर वक्त गुस्से से भरे रहने लगते हैं। पिछले कुछ सालों में कई ऐसे मामले उजागर हो चुके हैं, जिनमें भारी मात्रा में मादक पदार्थों की खेप किसी बंदरगाह या दूसरे ठिकानों पर पकड़ी गई। उनके आधार पर अंदाजा लगाया जा सकता है कि मादक पदार्थों का कितना बड़ा कारोबार देश में फल-फूल रहा है। मगर जब भी ऐसे पदार्थों की खरीद-बिक्री पर रोक लगाने की बात होती है, तो छिटपुट जलसों वगैरह में कुछ लोगों को इनका सेवन करते पकड़ कर अपनी जिम्मेदारी पूरी मान ली जाती है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

जंग में साजिश

रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध में अब एक नाटकीय मोड़ आ गया है। रूस ने आरोप लगाया कि यूक्रेन ने उसके राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की हत्या के इरादे से दो जंगी ड्रोनों से क्रेमलिन पर हमला किया। हालांकि उन्हें निष्प्रभावी कर दिया गया और उसमें कोई हताहत नहीं हुआ। उधर यूक्रेन का कहना है कि इस हमले से उसका कोई लेना-देना नहीं है। रूस इसे लेकर कहानी बना रहा है, ताकि उसे उकसाया और नौ मई को होने वाली उसकी विजय दिवस परेड में व्यवधान डाली जा सके। मगर रूस ने इस आधार पर जवाबी कार्रवाई तेज कर दी है। यूक्रेन की कई जगहों पर हमले किए गए हैं, जिसमें अनेक लोगों के मरने की खबर है। दोनों देशों को यह जंग लड़ते करीब सवा साल होने आए, मगर अब तक इसे रोकने का कोई रास्ता नहीं तलाशा जा सका है। अब तो पश्चिमी देश भी खुल कर यूक्रेन के समर्थन में उतर आए हैं। इससे रूस की नाराजगी और बढ़ गई है। मगर यह लड़ाई इस स्तर पर पहुंच जाएगी कि रूस के राष्ट्राध्यक्ष को ही जान से मारने की साजिश रच दी जाएगी, इसका अंदाजा शायद किसी को न रहा होगा। हालांकि यह घटना अब भी बहुत सारे लोगों के लिए अबूझ पहेली की तरह बनी हुई है कि आखिर यूक्रेन ने यह साजिश रची क्यों। मगर एक तर्क यह है कि यूक्रेन को जिस तरह रूस ने तबाह कर दिया है और उसके करीब तीस फीसद हिस्से पर कब्जा जमा लिया है, उसमें उसकी खीज स्वाभाविक है। मगर जिस तरह क्रेमलिन की सुरक्षा-व्यवस्था चाक-चौबंद है, उसमें सेंध लगाना इतना आसान कैसे हो गया, यह एक सवाल बना हुआ है। इसलिए यह भी तर्क दिया जा रहा है कि इस हमले की रूपरेखा खुद रूस ने तैयार की हो, ताकि वह पश्चिमी देशों को बता सके कि यूक्रेन किस प्रकार की स्तरहीन कार्रवाई कर रहा है। इस घटना के पीछे उसका मकसद अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भी यह दिखाना हो सकता है कि गलती उसकी नहीं, बल्कि यूक्रेन की ही है, जो अब आतंकवादी हरकतों पर उतर आया है। इसकी हकीकत क्या है, उस पर से पर्दा जब उठेगा, तब उठेगा या क्या पता कि कभी उठ ही न पाए। मगर इस युद्ध को लेकर एक सवाल बार-बार रेखांकित होता रहा है कि आज के समय में जब राष्ट्रों की हैसियत उनकी आर्थिक संपन्नता से आंकी जाती है और युद्ध का आखिरकार कोई हल निकलता नहीं, तब दोनों देश इतने लंबे समय से क्यों अपना धन इस पर बहा रहे हैं। फिर, इस युद्ध को रोकने के लिए गठित अंतरराष्ट्रीय संगठनों की प्रासंगिकता क्या रह गई है। यूक्रेन ने रूस से अलग होकर स्वतंत्र देश के रूप में अपनी पहचान कायम की थी। इस तरह उसे इस बात की लोकतांत्रिक आजादी है कि वह किन देशों के साथ निकटता रखे और किनके साथ दूरी। यह वह अपनी परिस्थितियों के मुताबिक तय कर सकता है। मगर जैसे ही उसने पश्चिमी देशों की सुरक्षा परिषद में सदस्यता लेनी चाही, रूस को अपनी सुरक्षा पर खतरा मंडराता दिखा और उसने यूक्रेन को इससे रोकने की कोशिश की। आखिरकार युद्ध शुरू हुआ और उसका खमियाजा किसी न किसी रूप में सारी दुनिया भुगत रही है। इस युद्ध के खिंचते जाने में कुछ देशों के राजनीतिक स्वार्थ हैं, पर यह किसी भी रूप में मानवता के लिए उचित नहीं है।

डॉक्टर एम एल जैन मणि ने धार्मिक कार्यों के साथ वैवाहिक वर्षगांठ मनाई

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर के संस्थापक अध्यक्ष एवं सिटिजन यात्रा क्लब के संयोजक डां.एम.एल जैन 'मणि' ने आज अपने वैवाहिक जीवन के 55 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आज धार्मिक कार्यों में अपना समय दिया और सबसे पहले डां मणि ने आज दुगार्पुरा स्थित चन्द्र प्रभ जी मंदिर जी में सुबह तीनों वेदियों के अभिषेक किये व पार्वनाथ वाली वेदी का प्रथम अभिषेक एवं बीच की मूल वेदी की तीनों मूर्तियों का प्रथम अभिषेक एवं शान्तिधारा की तथा पूजापाठ किया व भक्तामर का पाठ किया। बाद में नमोकार ग्रुप के माध्यम से डां शान्ति जैन 'मणि' ने महिलाओ के साथ बडे आनन्दपूर्वक पदमप्रभू विधान किया। बाद में सभी को जलपान कराया। आज गुणायतन एवं जहाजपुर में विशेष शान्तिधारा कराई तथा चांदखेडी व आंवा में विधान कराया।

जेएसजी नॉर्थ ने परिंडे बाटे

जयपुर. शाबाश इंडिया। जेएसजी नॉर्थ के तत्वावधान मे , सामाजिक कार्यों की श्रंखला में दिनांक 6 मई को वधर्मान सरोवर मानसरोवर ग्रुप सदस्य प्रिंस सोगानी जी के जन्म दिवस के उपलक्ष में पक्षियों के पानी की व्यवस्था के लिए 71 परिड़ा भेंट किये। कार्यक्रम में ग्रुप पूर्व अध्यक्ष अभय गंगवाल, सुनील सोगानी उपाध्यक्ष, सचिव राजेंद्र जैन, प्रमोद पाटनी, अंकुर जैन अंजना गंगवाल,मुनिया सोगानी, सुनीता पाटनी,प्रज्ञा जैन एवं कई अन्य सदस्य उपस्थित थे।

कलाकारो ने गणेश वन्दना और तीन ताल की प्रस्तुति से शुरूवात की

थिरक उत्सव 2023 का भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

शुक्रवार शाम कत्थक के लिहाज से जवाहर कला केंद्र में अभूतपूर्व रही। मौका था थिरक उत्सव 2023 के आयोजन का। इस वर्ष का आयोजन इस मायने में खास रहा कि इसमें भाग लेने वाले सभी कलाकार स्थानीय थे। मुख्य अतिथि कथक गुरु प्रेरणा श्रीमाली रहीं। कार्यक्रम की शुरूआत पर्याति से हुई जिसमें कत्थक को लेकर दिशा मंगल ने कत्थक कलाकारों एवं अभिभावकों से सवाल-जवाब किये। तत्पश्चात थिरक इंडिया कल्चरल सोसाइटी के कथक विद्यार्थियों ने नवक की प्रस्तुति दी। कुल चार समूह नृत्यों की बानगी बच्चों ने प्रस्तुत की। एक के बाद अद्भुत और सुन्दर प्रस्तुतियों से कार्यक्रम उठान पर आता गया। बच्चों के समूह नृत्य के बाद जयपुर घराने के वरिष्ठ नृत्य गुरु स्वर्गीय पंडित राजकुमार जवड़ा को श्रद्धांजलि स्वरुप उनके दोनों सुपुत्रों चेतन एवं भवदीप जवड़ा ने मनमोहक प्रस्तुति दी और दर्शकों से दाद पाई। कलाकारो ने गणेश वन्दना और तीन ताल की प्रस्तुति से शुरूवात की, फिर शिव श्लोक और एक ताल और पंचम सवारी और तीन ताल द्रुत लय और द्रोपदी चिर हरन जिससे प्रस्तुतियो से दर्सको को मन मगद कर दिया। अंत में श्रीमती मनीषा गुलयानी ने नृत्य श्लोक के माध्यम से नौ रस की उत्पत्ति को साकार किया। मनीषा ने ताल शिखर में शुद्ध कत्थक की प्रस्तुति दी एवं अंत में उन्होने स्वर्गीय पंडित कन्हैया लाल जवड़ा जी द्वारा रचित काहें छेड़े मोहे ठुमरी प्रस्तुत की। दर्शकों ने कार्यक्रम को खूब सराहा। मंच संचालन दिशा मंगल ने तथा प्रकाश व्यवस्था पर गगन मिश्रा रहे।

महावीर पब्लिक स्कूल में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020" पर आयोजित की गई कार्यशाला

जयपुर. शाबाश इंडिया

महावीर पब्लिक स्कूल में अध्यापकों के लिए ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020'' पर आधारित एक 'कैपेसिटी बिल्डिंग' कार्यशाला का आयोजन किया गया। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने सीबीएसई रिसोर्स पर्सन श्रीमती आशा मिश्रा व श्रीमती वंदना बांगा को छोटे-छोटे पौधे भेंट करके उनका स्वागत किया। वर्कशॉप में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' के उद्देश्यों जैसे- नई तकनीकी से बच्चों की शिक्षा, शिक्षा में समता का समावेश, व्यवसायिक शिक्षा का नवीन आकलन, भारतीय भाषाओं, कला और संस्कृति का संवर्धन, प्रौद्योगिकी का उपयोग एवं एकीकरण, ऑनलाइन और डिजिटल शिक्षा, शिक्षा का सार्वभौमिकरण आदि विषयों पर व्याख्यान दिया गया। इसके साथ ही बच्चों को रुचिकर तरीकों से किस तरह से पढ़ाया जाए कि उनका शिक्षण अधिगम क्षणिक न होकर स्थायी रहे तथा दिन प्रतिदिन बच्चे के शारीरिक विकास के साथ-साथ उसका बौद्धिक विकास भी होता रहे। विभिन्न प्रकार के खेलों और क्रियाकलापों के माध्यम से विभिन्न स्तर के विद्यार्थियों का शिक्षण किस तरह से किया जाए कि बच्चे के लिए भविष्य में विभिन्न व्यवसायों के रास्ते खुले हों आदि विषयों पर भी चर्चा की गई। यह कार्यशाला अध्यापकों के लिए बहुत ही रुचिकर और उपयोगी रही। विद्यालय के अध्यक्ष उमराव मल संघी, मानद् मंत्री सुनील बख्शी, कोषाध्यक्ष महेश काला, संयोजक सुदीप ठोलिया एवं प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को विद्यार्थियों के उत्कृष्ट अधिगम एवं सर्वांगीण विकास हेतु अत्यंत उपयोगी बताया और कहा कि इससे महावीर पब्लिक स्कूल के विद्यार्थी अवश्य ही लाभान्वित होंगे। विद्यालय की समन्वयिका श्रीमती वंदना जैन ने आगंतुकों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

नेट थियेट पर जमा कव्वाली का सूफी रंग, मैं तो नाम जपूं अली-अली

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेट थियेट के कार्यक्रमों की श्रंखला में आज देश के ख्यातनाम कव्वाल सिकंदर वारसी ने ख्वाजा की शान में मैं तो नाम जपु अली अली से हुआ बस्ता अली अली मेरे मौला यही एक नाम मैं तो नाम जपूं अली अली गाकर कार्यक्रम की शुरूआत की ' उसके बाद उन्होंने बेखुद के देता है अंदाज आना आज दिल में तुझे रख लूं यह जलवे जाने ना गाकर माहौल को सूफियाना बनाया। नेट थियेट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया कि सिकंदर वारसी और उनके साथी कलाकारों ने अमीर खुसरो की सुप्रसिद्ध कव्वाली छाप तिलक सब छीनी रे तोसे नैना मिला के बड़ी तन्मयता से सुना कर और दर्शकों से दाद बटोरी ' इसके बाद उन्होंने तेरा दर मिल गया सहारा हो तो ऐसा हो तेरे दुख पर पलते हैं गुजारा हो तो ऐसा हो और जिंदा है इसलिए हमें तुमसे प्यार है गाकर माहौल रूमानियत से भर दिया। सिकंदर वारसी के साथ दिलशाद वारसी, अली अहमद वारसी और रहमान वारसी ने गायन, बाबा हुसैन ने हारमोनियम, ढोलक पर सादिल और दानिश तथा ढोलक पर कय्याम ने शानदार संगत से स्प्रिट ऑफ सूफी कार्यक्रम को परवान चढ़ाया। कार्यक्रम का संचालन आर डी अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम संयोजक गुलजार हुसैन और नवल डांगी, कैमरा मनोज स्वामी, संगीत तपेश शर्मा, प्रकाश देवांग सोनी, मंच सज्जा सागर गढ़वाल, मंच सहायक अंकित शर्मा नोनू, जीवितेश शर्मा की रही।

दो दिवसीय श्रीमज्जिनेंद्र जिनबिंब वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव 6 - 7 मई 2023 का भव्य शुभारंभ

कोटा. शाबाश इंडिया

प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका 105 विज्ञाश्री माताजी के ससंघ सान्निध्य में श्री दिगंबर जैन मंदिर स्वामी विवेकानंद नगर कोटा में दो दिवसीय श्रीमज्जिनेंद्र जिनबिंब वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव 6 - 7 मई 2023 का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत गुरू मां के मुखारविंद से अभिषेक शांतिधारा पूर्वक हुई। ततपश्चात घटयात्रा का जूलुस निकाला गया। 11 बग्गियों पर बैठे इन्द्र - इन्द्राणियां ऐसे लग रहे थे मानो स्वर्ग का ही दृश्य है। लोग श्रद्धा भक्ति से झूमते हुवे चल रहे थे।घटयात्रा के बाद ध्वाजारोहण का सौभाग्य निर्मल कुमार हरसौरा परिवार तलवण्डी कोटा वालों ने पाया। दीपप्रज्वलन प्रकाशचंद ठौरा परिवारजन तलवण्डी ने प्राप्त किया। उसके बाद पूज्य माताजी के प्रवचन हुये। माताजी ने जनसमूह को संबोधन देते हुए कहा कि - जिस प्रकार स्वामी विवेकानंद जी ने बुराइयों को दूर करके देश के लिए अपना योगदान दिया। उसी प्रकार हमें भी अपने विवेक से अज्ञान को दूर करके जीवन में केवलज्ञान की ज्योति जलाना चाहिए। वेदी पर भगवान को विराजमान करने का अचिंत्य फल है। अपने स्वयं को भगवान बनाना अर्थात सिद्धशिला में विराजमान करना।

गौरव भण्डारी की स्मृति में जल मंदिर और पनघट का शुभारंभ

उदयपुर. शाबाश इंडिया

गौरव भण्डारी की द्वितीय पुण्यतिथि पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, खेराड़ में बच्चों के पीने के पानी की व्यवस्था का जीर्णोद्वार करवाया और चारों तरफ टाईल्स लगवाकर इसे आकर्षक रूप दिया गया। शुभारम्भ अवसर पर शनिवार को गौरव जल मंदिर के नाम से विद्यालय में बच्चों के स्वच्छ जल के लिये वाटर कूलर भी प्रदान किया गया। इसी क्रम में घोडीमारी बस स्टेण्ड पर ग्रामवासियों के अनुरोध पर बंद पनघट योजना को पुनः चालू करने का बीड़ा उठाया जिसमें पनघट योजना निर्माण कार्य, टंकी, पाईप फिटिंग नल आदि कार्य करवाया गया, जिसमें पानी भरने की जिम्मेदारी पूर्व सरपंच ताराचंद गरासिया द्वारा ली गयी।संजय धाकड़ ने जानकारी दी कि कार्यक्रम की अध्यक्षता नाहर सिंह भण्डारी ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राव कुलदीप शक्तावत, विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी डॉ.बाल गोपाल शर्मा थे। नाहरसिंह भण्डारी ने अपने उद्बोधन में विगत वर्षों में की समाज सेवाओं की जानकारी देते कहा कि विद्यालय परिवार एवं ग्रामवासियों ने जिस प्रकार हमारा अनुरोध स्वीकार कर सहयोग प्रदान किया इसके लिए बहुत आभार। उन्होंने विश्वास जताते कहा कि गौरव भण्डारी की तरह सभी बच्चे अच्छी पढाई कर विद्यालय एवं परिवार का नाम रोशन करेंगे। कार्यक्रम में शान्तिलाल भण्डारी, हीरालाल धाकड़, ललित भण्डारी, हेमन्त भण्डारी, गौतम भण्डारी, पवन भण्डारी, विनीत जैन, ख्यालीलाल नावेडिया, सुरेश तलेसरा, अशोक इंटोदिया, रोमिल धाकड़, पियूष इंटोदिया, राहुल मिश्रा, शुभम, गोपाल भट्ट, कुश सरणोत, नानालाल शर्मा, शेरसिंह शक्तावत, हमीद भाई, चंपालाल पटेल, मोती लाल गरासिया, चंपालाल गरासिया, राजेंद्र गरासिया, सुरेश तेजावत, ललिता भण्डारी, नेहा भण्डारी मिश्रा, नीता जैन, रीता इंटोदिया, निमिषा जैन, सुनीता भण्डारी, रितु भण्डारी, स्नेहलता लोढ़ा, शीला धाकड़, रुपाली एवं ग्रामवासी सहित कई मित्र जन उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य चुन्नीलाल लोहार ने भामाशाह का धन्यवाद ज्ञापित करते आभार व्यक्त किया तथा विद्यालय गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम में विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित था। कार्यक्रम का संचालन ताराचंद लोहार और किशन गिरी गोस्वामी ने किया।

मीडियाकर्मियों ने पाई महंगाई राहत कैम्प में राहत

उदयपुर. शाबाश इंडिया

लेकसिटी में शनिवार को नगर निगम व जिला प्रशासन के सहयोग से मीडियाकर्मियों व उनके परिजनों के लिए महंगाई राहत कैम्प आयोजित हुआ। भण्डारी दर्शक मंडप के प्रथम तल पर संचालित इस कैम्प में बड़ी संख्या में मीडिया संस्थानों के कार्मिकों सहित उनके परिवारजनों ने लाभ उठाया। दरअसल, मीडिया में कार्यरत मशीनकर्मियों, कम्प्यूटरकर्मियों, डेस्क के साथियों का समय देर रात तक रहता है। साथ ही, हॉकर्स भी सुबह जल्द उठकर अखबार वितरण का कार्य करते हैं। ऐसे में उन्हें शिविरों में जल्दी पहुंचने में परेशानी अनुभव हो रही थी। इसी के मद्देनजर नगर निगम व प्रशासन की ओर से यह शिविर अलग से रखा गया जिसका समय सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक था। शिविर में पहुंचे विभिन्न मीडिया संस्थानों के कार्मिकों ने इसे प्रशासन व नगर निगम की अच्छी पहल बताते हुए आभार व्यक्त किया। शिविर में पहुंचे वरिष्ठ पत्रकार सनत जोशी, सुधीर भटनागर, शांतिलाल सिरोया, प्रकाश शर्मा, डॉ. विवेक भटनागर, जार प्रदेशाध्यक्ष सुभाष शर्मा, प्रदेश सचिव राजेश वर्मा, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष कौशल मूंदड़ा, जार उदयपुर जिलाध्यक्ष राकेश शर्मा राजदीप, महासचिव दिनेश भट्ट, कोषाध्यक्ष गोपाल लोहार, दिनेश हाड़ा, नरेन्द्र कहार,

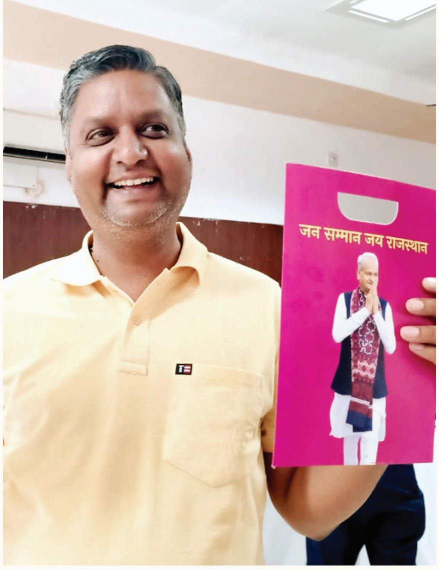

बाबूलाल ओड़, मांगीलाल जैन, हेमंत काबरा, जुगल किशोर मेनारिया आदि ने इस पहल को मीडियाकर्मियों के लिए राहत वाली बताया।

रिपोर्ट/फोटो: राकेश शर्मा 'राजदीप'
मोबाइल : 9829050939

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतु का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com